RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2023-2024

सच्चाई से रुबरु

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक- 51 भीलवाड़ा, सोमवार, 22 जून 2026 पृष्ठ-04 मूल्य-04 रूपये

सीफूड फैक्ट्री में अमोनिया गैस रिसाव, 7 महिला श्रमिकों की मौत; 46 से अधिक अस्पताल में भर्ती

▪ स्मार्ट हलचल

B । तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में स्थित एक सीफूड एक्सपोर्ट यूनिट में अमोनिया गैस रिसाव होने से बड़ा औद्योगिक हादसा हो गया। दुर्घटना में सात महिला श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि 46 से अधिक कर्मचारी प्रभावित होने पर विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराए गए हैं। इनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार हादसा पेरियापलायम क्षेत्र के निकट स्थित सीफूड प्रोसेसिंग इकाई में हुआ। घटना के समय फैक्ट्री में करीब 120 कर्मचारी कार्यरत थे। प्रारंभिक जांच में गैस रिसाव का कारण फैक्ट्री के रेफ्रिजरेशन अथवा प्रोसेसिंग सिस्टम में तकनीकी खराबी माना जा रहा है।

गैस फैलने के बाद कर्मचारियों को सांस लेने में परेशानी, आंखों में जलन, चक्कर आने तथा अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने लगीं। स्थिति बिगड़ते ही फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई और कर्मचारियों को तत्काल बाहर निकाला गया। कई श्रमिक गैस के प्रभाव से बेहोश हो गए।

सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल एवं राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। प्रभावित कर्मचारियों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जबकि गंभीर रूप से प्रभावित मरीजों को चेन्नई के सरकारी स्टेनली मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया।

घटना के बाद राज्य सरकार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। सरकार ने तीन सदस्यीय जांच समिति गठित कर 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है।

कांचीपुरम रेंज के डीआईजी, जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर घायलों की स्थिति की जानकारी ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों एवं गैस रिसाव के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन और नियमित तकनीकी निरीक्षण ऐसे हादसों की रोकथाम के लिए आवश्यक है।

ट्रेलर-कार की आमने-सामने भिड़ंत में तीन की मौत, मासूम गंभीर घायल

जोधपुर / जिले के बोरूंदा क्षेत्र में रविवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक मासूम बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा बोरूंदा कस्बे से करीब तीन किलोमीटर दूर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित एक पेट्रोल पंप के निकट हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एक कार और ट्रेलर की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोगों को बाहर निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी।

हादसे में कार में सवार एक पुरुष, एक महिला तथा एक बालक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं करीब साढ़े सात वर्षीय एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों एवं पुलिस की सहायता से घायल बच्ची को तत्काल बोरूंदा के चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए जोधपुर रेफर किया गया।

प्रारंभिक जांच में मृतक एवं घायल परिवार के हरियाणा के रोहतक क्षेत्र का निवासी होने की जानकारी सामने आई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारू किया गया।

पुलिस ने मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार और आमने-सामने की टक्कर को हादसे का कारण माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

इस हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। स्थानीय लोगों ने दुर्घटना संभावित मार्गों पर यातायात सुरक्षा उपायों को और मजबूत करने की मांग की है।

राजस्थान के 123 शहरों में 24 घंटे खुल सकेंगे बाजार और व्यावसायिक प्रतिष्ठान

▪ स्मार्ट हलचल

जयपुर । राजस्थान सरकार ने राज्य में व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रदेश के 123 शहरों में दुकानों एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को चौबीसों घंटे संचालित करने की अनुमति प्रदान कर दी है।

राज्य सरकार द्वारा राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान अधिनियम में संशोधन संबंधी अधिसूचना जारी किए जाने के बाद निर्धारित शहरों में व्यापारी अब अपनी आवश्यकता के अनुसार दिन-रात व्यवसाय संचालित कर सकेंगे। सरकार का मानना है कि इस निर्णय से व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा तथा रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।

हालांकि कर्मचारियों के हितों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने स्पष्ट दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। अधिसूचना के अनुसार प्रत्येक कर्मचारी को सप्ताह में एक दिन अनिवार्य अवकाश देना होगा। साथ ही किसी कर्मचारी से प्रतिदिन 10 घंटे तथा सप्ताह में 48 घंटे से अधिक कार्य नहीं कराया जा सकेगा। निर्धारित समय से अधिक कार्य लेने की स्थिति में नियमानुसार ओवरटाइम भुगतान करना अनिवार्य होगा।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि श्रम संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकेगी तथा आवश्यकता पड़ने पर उनका पंजीकरण भी निरस्त किया जा सकता है।

व्यापारिक संगठनों ने सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक कदम बताया है। उनका मानना है कि महानगरों और प्रमुख शहरी क्षेत्रों में रात्रिकालीन व्यापार को बढ़ावा मिलने से पर्यटन, होटल, रेस्टोरेंट, परिवहन एवं सेवा क्षेत्र को भी लाभ मिलेगा।

वहीं श्रमिक संगठनों ने कर्मचारियों के अधिकारों एवं कार्य परिस्थितियों की प्रभावी निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया है ताकि श्रमिक हितों से किसी प्रकार का समझौता न हो।

सरकार की नई व्यवस्था लागू होने के बाद संबंधित शहरों में बाजारों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के संचालन में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। हालांकि शराब की दुकानों, बार और नाइट क्लबों के संचालन समय को लेकर फिलहाल कोई अलग घोषणा नहीं की गई है।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका-इजरायल का सख्त रुख, ट्रंप और मेलोनी के बीच बढ़ा कूटनीतिक विवाद

वॉशिंगटन/यरुशलम । ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो सहयोगी देशों, विशेष रूप से इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिका वर्षों से अपने सहयोगियों की सुरक्षा पर भारी संसाधन खर्च करता रहा है, लेकिन ईरान जैसे गंभीर सुरक्षा मुद्दों पर कई देश अपेक्षित सहयोग नहीं कर रहे हैं।

ट्रंप की टिप्पणी के बाद इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार इटली के राष्ट्रीय हितों के आधार पर निर्णय लेती है और किसी भी देश के दबाव में नहीं आती। मेलोनी ने ट्रंप के आरोपों को निराधार बताते हुए उन्हें 'अनावश्यक और अनुचित' करार दिया।

ईरान पर जारी हैं वार्ता प्रयास

इस बीच अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में वार्ताओं का दौर जारी है। दोनों पक्ष परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय सुरक्षा और पश्चिम एशिया में तनाव कम करने से जुड़े मुद्दों पर बातचीत कर रहे हैं। हालांकि अब तक किसी अंतिम समझौते की घोषणा नहीं हुई है।

नेतन्याहू ने दोहराया कड़ा रुख

उधर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने स्पष्ट कहा है कि इजरायल ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति कभी नहीं देगा। उन्होंने कहा कि इजरायल की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर लगातार नजर रखी जा रही है।

नेतन्याहू ने यह भी कहा कि अमेरिका और इजरायल दोनों अपने-अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर निर्णय लेते हैं तथा दोनों देशों के बीच सहयोग मजबूत बना हुआ है। उन्होंने इस धारणा को खारिज किया कि दोनों देशों के नेता एक-दूसरे के निर्देशों पर कार्य करते हैं।

वैश्विक समुदाय की नजर

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका, इजरायल और यूरोपीय देशों के बीच मतभेदों के बावजूद यह मुद्दा वैश्विक सुरक्षा एजेंडे में प्रमुख बना हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में अमेरिका-ईरान वार्ता और पश्चिम एशिया की स्थिति अंतरराष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

खेत की जमीन फटने से ग्रामीणों में चिंता, दरार की गहराई जांच का विषय

▪ स्मार्ट हलचल

मुख्य बिंदु

लूणकरणसर के हंसेरा गांव में खेत में दिखी गहरी दरार।

हालिया तेज बारिश के बाद सामने आई घटना।

दरार में डाला गया पूरा पानी जमीन में समाया।

भू-गर्भीय विशेषज्ञों द्वारा सर्वे शुरू।

जांच रिपोर्ट के बाद ही कारणों का होगा खुलासा।

प्रशासन ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी।

बीकानेर / जिले के लूणकरणसर क्षेत्र स्थित हंसेरा गांव में एक किसान के खेत में अचानक गहरी दरार दिखाई देने से ग्रामीणों में चिंता का माहौल है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हाल ही में हुई तेज बारिश के बाद खेत में यह दरार नजर आई, जिसके बाद क्षेत्र के लोग मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने लगे।

जानकारी के अनुसार दरार किसान संतराम भोभरिया के खेत में दिखाई दी है। ग्रामीणों ने इसकी गहराई का अनुमान लगाने के लिए दरार में एक पानी का टैंकर खाली किया, लेकिन पूरा पानी जमीन के भीतर समा गया। इसके बाद दरार की गहराई और भूगर्भीय स्थिति को लेकर लोगों की उत्सुकता और चिंता दोनों बढ़ गई हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में 16 जून को तेज आंधी और भारी बारिश हुई थी, जिससे कई स्थानों पर पेड़ उखड़ गए थे और सामान्य जनजीवन भी प्रभावित हुआ था। इसके बाद खेत में इस प्रकार की दरार दिखाई देने से कई तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं।

हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि बिना वैज्ञानिक जांच के किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। भू-गर्भीय एवं तकनीकी अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण शुरू कर दिया है तथा विस्तृत सर्वे कराया जा रहा है। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर लोगों को प्रभावित क्षेत्र से दूर रहने की सलाह दी है।

संबंधित अधिकारियों के अनुसार सर्वे रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि दरार प्राकृतिक जल निकासी, भूमि धंसाव, भूगर्भीय बदलाव या किसी अन्य कारण से उत्पन्न हुई है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

क्या अब खत्म कर देना चाहिए नगर विकास न्यास? प्रदेशभर में उठी मांग, निगम में विलय से रुकेगा भ्रष्टाचार?

जनता का सवाल— जब सारे काम निगम कर सकता है तो अलग न्यास की जरूरत क्यों? करोड़ों खर्च कर पद हासिल करने की होड़ पर भी उठे सवाल

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / जयपुर। प्रदेश में नगर विकास न्यास (यूआईटी) की कार्यप्रणाली को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। आमजन और विभिन्न सामाजिक संगठनों के बीच अब यह मांग जोर पकड़ने लगी है कि नगर विकास न्यास विभाग को समाप्त कर उसके सभी अधिकार और दायित्व नगर निगम को सौंप दिए जाएं। लोगों का तर्क है कि जब अधिकांश शहरी विकास कार्य नगर निगम भी प्रभावी ढंग से कर सकता है तो फिर अलग से न्यास जैसी

संस्था बनाए रखने का औचित्य क्या है?

प्रदेशभर में चर्चा है कि नगर विकास न्यास वर्षों से विवादों, अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों के घेरे में रहा है। भूमि आवंटन, भू-उपयोग परिवर्तन, पट्टों और विकास योजनाओं से जुड़े मामलों में समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में जनता पूछ रही है कि आखिर इस व्यवस्था से आम नागरिक को क्या लाभ मिल रहा है?

क्या दो-दो विभागों की व्यवस्था विकास में बाधा बन रही है?

शहरों में अक्सर विकास कार्यों को लेकर यह भ्रम की स्थिति बनी रहती है कि संबंधित कार्य नगर निगम के अधीन है या नगर विकास न्यास के। कई बार सड़क, नाली, सीवरेज, पार्क और अन्य आधारभूत सुविधाओं के कार्यों में जिम्मेदारी तय नहीं हो पाती और जनता परेशान होती रहती है। लोगों का कहना है कि जब एक ही शहर में दो अलग-अलग एजेंसियां विकास कार्यों की जिम्मेदारी संभालेंगी तो समन्वय की कमी होना स्वाभाविक है। आखिर जवाबदेही तय किसकी होगी? विकास कार्यों में देरी का जिम्मेदार कौन होगा?

जनप्रतिनिधियों की नियुक्ति पर भी उठे सवाल

जनता के बीच यह चर्चा भी आम है कि नगर विकास न्यास में अध्यक्ष और अन्य महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति पाने की होड़ में भारी राजनीतिक दबाव और आर्थिक प्रभाव देखने को मिलता है। आरोप लगते रहे हैं कि इन पदों की दौड़ में करोड़ों रुपये तक खर्च किए जाते हैं। यदि यह धारणा सही है तो फिर इसकी भरपाई आखिर कहां से होती है? प्रदेशवासियों का सवाल है कि क्या ऐसी व्यवस्था भ्रष्टाचार को बढ़ावा नहीं देती? क्या न्यास को निगम में मर्ज कर देने से इस तरह की संभावनाओं पर अंकुश नहीं लगेगा?

विलय से क्या होंगे फायदे?

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि नगर विकास न्यास को नगर निगम में विलय कर दिया जाए तो प्रशासनिक खर्च कम होंगे, जवाबदेही बढ़ेगी और विकास कार्यों में अनावश्यक दोहराव समाप्त होगा। एक ही संस्था के माध्यम से योजनाओं का क्रियान्वयन होने पर निर्णय प्रक्रिया भी तेज हो सकती है। साथ ही जनता को यह भी स्पष्ट रहेगा कि किसी भी विकास कार्य की जिम्मेदारी किस विभाग की है। इससे शिकायतों के समाधान में भी तेजी आएगी।

भ्रष्टाचार पर लगेगी लगाम?

जनता का एक बड़ा वर्ग मानता है कि न्यास और निगम जैसी समानांतर व्यवस्थाओं के कारण पारदर्शिता प्रभावित होती है। यदि दोनों संस्थाओं का एकीकरण हो जाए तो वित्तीय और प्रशासनिक नियंत्रण मजबूत होगा तथा भ्रष्टाचार की संभावनाएं कम होंगी। सवाल यह है कि क्या सरकार इस दिशा में कोई बड़ा फैसला लेने का साहस दिखाएगी?

जनता पूछ रही है— अलग न्यास की जरूरत आखिर क्यों?

प्रदेशभर में अब यह बहस तेज हो रही है कि क्या नगर विकास न्यास अपने मूल उद्देश्य को पूरा कर पा रहा है या फिर यह केवल एक अतिरिक्त प्रशासनिक ढांचा बनकर रह गया है? जब नगर निगम शहरी विकास के अधिकांश कार्य करने में सक्षम है तो अलग से न्यास बनाए रखने का औचित्य क्या है? क्या समय की मांग नहीं है कि इस व्यवस्था की व्यापक समीक्षा कर जनता के हित में बड़ा निर्णय लिया जाए? फिलहाल जनता की नजरें सरकार पर टिकी हैं। देखना यह होगा कि बढ़ती मांगों और उठते सवालों के बीच सरकार नगर विकास न्यास की भूमिका पर पुनर्विचार करती है या नहीं। आखिर शहरी विकास के नाम पर दोहरी व्यवस्था कब तक चलती रहेगी? और यदि इससे भ्रष्टाचार तथा भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है तो उसका समाधान कब निकलेगा?

स्मार्ट हलचल की खबर का दमदार असर

जागा प्रशासन, आखिरकार लगा सूचना बोर्ड, 16 करोड़ की लागत उजागर

बिना बोर्ड और बिना जवाबदेही के चल रहे खेल का 'स्मार्ट हलचल' ने किया था पर्दाफाश; शनिवार को PWD ने आनन-फानन में लगवाया डिस्प्ले बोर्ड, ग्रामीणों ने अब निर्माण गुणवत्ता और चारागाह खनन की जांच पर अड़ाया पैर

▪ स्मार्ट हलचल

जहाजपुर [अलकेश पारीक] । सच्ची और निष्पक्ष पत्रकारिता जब आमजन की आवाज बनती है, तो सोए हुए प्रशासनिक तंत्र को भी जागना ही पड़ता है। जहाजपुर क्षेत्र के ग्राम पीपलूंद में नियमों को ताक पर रखकर बिना किसी सूचना पट्ट के बनाए जा रहे करोड़ों रुपए के निर्माणाधीन बाईपास सड़क परियोजना के मामले में 'स्मार्ट हलचल' की खबर का एक बार फिर बड़ा और दमदार असर देखने को मिला है। मीडिया में लगातार प्रमुखता से समाचार प्रकाशित होने और ग्रामीणों के बढ़ते विरोध के बाद आखिरकार सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) और संबंधित निर्माण ठेकेदार की नींद खुल गई। शनिवार को विभाग द्वारा आनन-फानन में निर्माण स्थल पर राजस्थान सरकार एवं पीडब्ल्यूडी का आधिकारिक विस्तृत सूचना बोर्ड (प्रोजेक्ट डिस्प्ले बोर्ड) लगा दिया गया है।

बोर्ड लगते ही खुला राज— 16 करोड़ की भारी-भरकम राशि से बन रहा है बाईपास:

गौरतलब है कि बाईपास निर्माण कार्य शुरू होने के बाद से ही मौके पर कोई सूचना बोर्ड नहीं लगाया गया था, जिससे समूचे क्षेत्र में इस गोपनीय कार्यप्रणाली को लेकर गहरा संदेह बना हुआ था। राहगीरों और ग्रामीणों को यह तक भनक नहीं थी कि यह काम कौन करा रहा है और इसकी वित्तीय लागत क्या है। अब 'स्मार्ट हलचल' की मुहिम के बाद लगे बोर्ड से यह पूरी तरह साफ हो गया है कि यह बाईपास सड़क लगभग १६ करोड़ रुपए की भारी-भरकम स्वीकृत राशि से बनाई जा रही है। बोर्ड पर अब निर्माण एजेंसी का नाम, संबंधित तकनीकी अधिकारियों के पद, कार्य प्रारंभ होने और पूर्ण होने की तय समय-सीमा की जानकारियां सार्वजनिक रूप से अंकित कर दी गई हैं।

ग्रामीणों ने जताई प्रसन्नता, बोले— 'स्मार्ट हलचल' ने दिखाई पारदर्शिता की राह:

स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों और ग्रामीणों ने इस त्वरित कार्रवाई पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यदि 'स्मार्ट हलचल' समाचार पत्र द्वारा इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाकर प्रशासन के सामने तीखे सवाल नहीं दागे जाते, तो भ्रष्टाचार और गोपनीयता का यह खेल बिना किसी जवाबदेही के यूँ ही जारी रहता। जनता के पैसों से बन रही सड़क की हकीकत को ठेकेदार दबाकर बैठ जाता।

केवल बोर्ड लगाने से नहीं चलेगा काम, हर नियम की हो निष्पक्ष जांच:

हालांकि, ग्रामीणों ने दोटूक शब्दों में चेतावनी दी है कि केवल कागजी औपचारिकता या बोर्ड टांग देने भर से ठेकेदार के पिछले कृत्य माफ नहीं हो जाते। ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी और उच्चाधिकारियों से पुरजोर मांग की है कि निर्माण कार्य में प्रयुक्त हो रही सामग्री की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों की अनदेखी और ५० बीघा से अधिक चारागाह भूमि से बिना अनुमति किए गए अवैध मिट्टी दोहन के गंभीर आरोपों की भी एक स्वतंत्र विंग से निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। क्षेत्रवासियों का स्पष्ट नारा है— 'सवाल उठे तो लगा बोर्ड, अब गुणवत्ता और नियमों की भी हो जांच।'

योगमय हुआ भीलवाड़ा, हजारों लोगों ने किया सामूहिक योगाभ्यास

'स्वस्थ आयु के लिए योग' थीम पर मनाया गया 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने दिया फिट इंडिया का संदेश

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रविवार सुबह भीलवाड़ा पूरी तरह योगमय नजर आया। जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शांति भवन में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सामूहिक योगाभ्यास किया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

'स्वस्थ आयु के लिए योग' (Yoga for Healthy Ageing) थीम पर आयोजित कार्यक्रम में सांसद दामोदर अग्रवाल, विधायक अशोक कोठारी, विधायक लादूलाल पितलिया, प्रभारी सचिव मंजू राजपाल, जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू, एडीएम प्रतिभा देवठिया, जिला परिषद सीईओ चंद्रभान सिंह भाटी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संबोधन भी सुना।

प्रधानमंत्री ने योग को भारत की विश्व को दी गई अमूल्य धरोहर बताते हुए इसे स्वस्थ, संतुलित और तनावमुक्त जीवन का आधार बताया। जिला नोडल अधिकारी डॉ. जी.एल. शर्मा ने बताया कि योग प्रशिक्षकों के निर्देशन में प्रतिभागियों ने कॉमन योग प्रोटोकॉल के तहत विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया। इस दौरान सभी ने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का संकल्प लिया। समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और सकारात्मक बनाने वाली संपूर्ण जीवनशैली है। वहीं सांसद दामोदर अग्रवाल ने उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए स्वस्थ, स्वच्छ और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने स्वयं, परिवार, समाज और विश्व में शांति, स्वास्थ्य और सकारात्मकता के प्रसार का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन आयुर्वेद विभाग के पूर्व उपनिदेशक डॉ. सत्यनारायण शर्मा ने किया।

इमाम हुसैन कि याद में शरबत पिलाया

▪ स्मार्ट हलचल

बनेड़ा - हज़रत इमाम हुसैन कि याद में अकबरपुरा गांव में रविवार को शर्बत का प्रोग्राम रखा गया है। जिसमें सभी का सहयोगू रहा है इस मोके पर उस्मान ख़ान चिराग ख़ान सलीम खान जाकिर हुसैन खान सलीम खान शाहबुद्दीन खान नूरमोहम्मद खान बरकत ख़ान इस्लाम खान इमरान खान इस्लाम खान महबूब खान बंटी खां मुराद खान आदिल खां तयब खां पिंटू खान अमन गुलफाज गुलजार निसार खान इमरान खान आजाद खां सम्मीर खां रमजान खा आरीफ खां शहजाद खां चिंटू खां साहिल खां और सभी गांव वाले उपस्थित थे।

नन्द राय गांव में आतंक मचाते बंदर को पकड़ा, 3 घंटे चला रेस्क्यु

▪ स्मार्ट हलचल

गुरला:-नंदराय में बंदरों का आतंक है। पिछले 1. 2 महीने से बंदर गांव में बहुत से मकानो में नुकसान पहुंचा रहे थे नंद राय ग्रामवासी बंदर से परेशान थे गांव वालों को इस बंदर से जान का खतरा होने का दर था ग्राम वासी दीपक बाबेल ने वन विभाग को सूचना दी की बंदर काफी दिनों से गांव में आतंक मचा रखा है,, सूचना मिलने पर वाइल्ड एंड स्ट्रीट एनिमल रेस्क्यू सोसायटी टीम के नारायण लाल बेरवा ने अपनी टीम तैयार की और को नंदराय गांव में टीमवर्क के साथ सुरक्षित तरीके से बंदर का रेस्क्यू किया,, बंदर को आबादी क्षेत्र से काफी दूर सुरक्षित तरीके से जंगल में छोड़ा। बंदर का रेस्क्यू होने के बाद गांव वाले ने चैन की सांस ली और ओर गांव वाले भय मुक्त हुए,.

देशभक्ति के गीतों संग योगमय हुआ मांडलगढ़: धूमधाम से मनाया गया 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, ढोलक-हारमोनियम की धुन पर झुमे साधक

'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' थीम पर विधायक खंडेलवाल, डीएसपी योगेश शर्मा और प्रशासनिक अधिकारियों ने किया सामूहिक योगाभ्यास; विकास सोनी के सानिध्य में हुआ आयोजन

▪ स्मार्ट हलचल

मांडलगढ़ । कस्बे में बारहवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आज रविवार को अभूतपूर्व उत्साह, उमंग और देशभक्ति के रंग में सराबोर माहौल के बीच मनाया गया। आयुर्वेद विभाग के सहायक नोडल अधिकारी डॉ. विनोद कुमार वर्मा एवं विख्यात योग प्रशिक्षक विकास सोनी के कुशल सानिध्य में ब्लॉक स्तरीय मुख्य सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष यह वैश्विक आयोजन **'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' (Yoga for Healthy Aging)** की विशेष थीम पर आधारित रहा। कार्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि पारंपरिक योगाभ्यास को बांसुरी, हारमोनियम और ढोलक की मधुर व देशभक्ति से ओत-प्रोत धुनों से जोड़ा गया, जिससे पूरा परिसर योगमय और राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग गया।

सुर और ताल के साथ हुए आसन, योग सहयोगियों ने दिया डेमो:

योग सत्र के दौरान योग प्रशिक्षक विकास सोनी द्वारा सामान्य योग प्रोटोकॉल के निमित्त विभिन्न यौगिक क्रियाएं, खड़े होकर व बैठकर किए जाने वाले आसन, प्राणायाम, गहन ध्यान और अंत में सबको तनावमुक्त करने वाले हास्यासन का सघन अभ्यास करवाया गया। संगीत की लहरियों के बीच योग करते हुए साधकों में एक अलग ही ऊर्जा का संचार देखा गया। मंच से योग की विभिन्न कठिन विधाओं का सजीव और त्रुटिहीन 'योग डेमो प्रदर्शन' कुशल योग सहयोगी सुश्री मोनिका बदलानी, कुनाल टेलानी, याशी खत्री और दुर्गेश सोनी द्वारा दिया गया, जिसे देखकर उपस्थित जनसमुदाय ने भी आसनों को दोहराया।

विधायक और प्रशासनिक अमले सहित उमड़ा आमजन का जनसैलाब:

इस गरिमामय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री गोपाल लाल खंडेलवाल, निर्वतमान नगरपालिका अध्यक्ष संजय डांगी, पुलिस उपाधीक्षक (DSP) योगेश शर्मा, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बनवारी जीनगर, वरिष्ठ नेता विनोद ओस्तवाल, अशोक जीनगर, विधायक प्रतिनिधि मनोज सनाढ्य, जमना लाल सेन, पवनेश ओस्तवाल, अर्जुन ब्रह्मभट्ट तथा लादू लाल खटीक मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इसके साथ ही कनिष्ठ आयुर्वेद नर्स सुनीता बैरागी, रजनी बदलानी, राजकुमार व्यास, प्रकाश चांदनानी, योगेश वैष्णव सहित उपखंड स्तर के सभी प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस जाप्ता, विभिन्न मीडिया संस्थानों के पत्रकार, स्थानीय जनप्रतिनिधि, मातृशक्ति और भारी संख्या में आमजन ने उपस्थित रहकर योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

न्यायालय परिसर में गूंजा योग का संदेश

न्यायिक अधिकारियों और अधिवक्ताओं ने किया सामूहिक योगाभ्यास

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर स्थित बार पुस्तकालय में विशेष योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं न्यायिक कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सामूहिक योगाभ्यास किया। योग प्रशिक्षक दीपांशु सोलंकी ने आयुष मंत्रालय के निर्धारित कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया। उन्होंने नियमित योग को शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक शांति और तनावमुक्त जीवन का प्रभावी माध्यम बताते हुए इसे दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पॉक्सो न्यायाधीश रेखा वधावा, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पवन कुमार काला, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव रश्मि आर्या, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट देवांगिनी औदीच्या सहित अन्य न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। योग सत्र के दौरान सभी प्रतिभागियों ने योग को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाकर स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य न्यायिक परिवार में स्वास्थ्य, अनुशासन और मानसिक संतुलन के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना रहा।

शाहपुरा में गूंजी योग की शक्ति-रामकोठी परिसर बना स्वास्थ्य, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र

▪ स्मार्ट हलचल

शाहपुरा / "करो योग, रहो निरोग" का संदेश रविवार सुबह शाहपुरा की फिजाओं में कुछ इस तरह गूंजा कि पूरा शहर स्वास्थ्य, अनुशासन और आत्मिक ऊर्जा के रंग में रंगा नजर आया। 12 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नगर के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल रामद्वारा रामकोठी में आयुर्वेद विभाग की ओर से आयोजित ब्लॉक स्तरीय योग कार्यक्रम ने न केवल लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया, बल्कि यह संदेश भी दिया कि योग आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में संजीवनी बन चुका है। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि के समक्ष दीप प्रज्वलन, पूजा-अर्चना एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। सुबह की ताजी हवा, रामकोठी परिसर की आध्यात्मिक आभा और सैकड़ों लोगों की एक साथ चलती श्वास-प्रश्वास की लय३ यह दृश्य शरीर, मन और आत्मा के अद्भुत संगम का प्रतीक बन गया। बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्गकृहर वर्ग के लोग पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ योगाभ्यास करते दिखाई दिए। मानो पूरा शाहपुरा एक स्वर में स्वास्थ्य और संतुलन का संकल्प ले रहा हो। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शाहपुरा विधायक डॉ. लालाराम बैरवा उपस्थित रहे। उनके साथ उपखंड अधिकारी सुनील मीणा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य, पुलिस उपाधीक्षक ओमप्रकाश विश्नोई, थाना प्रभारी सुरेश शर्मा, नोडल अधिकारी डॉ. नारायण सिंह, सह-नोडल अधिकारी डॉ. दीपिका शर्मा तथा सहायक अधिकारी डॉ. विनीत जैन सहित ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि, शिक्षक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। योग कार्यक्रम की शुरुआत योगाचार्य दारा सिंह के निर्देशन में हुई।

कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक जीतेन्द्र सिंह, लेखराज पाराशर एवं महिला योग प्रशिक्षक प्रियंका जोशी के कुशल मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने योगासनों, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम एवं ध्यान प्रक्रियाओं का सघन अभ्यास किया। विशेषज्ञों ने बताया कि नियमित योगाभ्यास न केवल शारीरिक व्याधियों को दूर करता है, बल्कि मानसिक शांति के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। सामूहिक योगाभ्यास के दौरान ऐसा लगा मानो पूरा परिसर ऊर्जा से भर उठा हो। हर आसन के साथ प्रतिभागियों के चेहरों पर आत्मविश्वास और मन में शांति स्पष्ट दिखाई दे रही थी। यह केवल शरीर को लचीला बनाने का अभ्यास नहीं था, बल्कि भीतर की अशांति को शांत कर जीवन में संतुलन स्थापित करने का एक प्रयास था। अपने संबोधन में विधायक डॉ. बैरवा ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक श्रेष्ठ कला है। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों को नियमित योग करने की शपथ दिलाई और कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ विचारों का जन्म होता है। उन्होंने कहा, "यदि हमें विकसित, समृद्ध और सशक्त भारत का निर्माण करना है तो सबसे पहले स्वयं को स्वस्थ बनाना होगा। योग हमारी प्राचीन धरोहर है, जिसे आज पूरा विश्व अपना रहा है।" डॉ. लालाराम बैरवा ने कहा कि योग केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पद्धति है। उन्होंने आगे कहा कि योग व्यक्ति को केवल शारीरिक रूप से मजबूत नहीं बनाता, बल्कि मानसिक दृढ़ता और आत्मिक संतुलन भी प्रदान करता है। आज की भागदौड़ और तनावपूर्ण जीवनशैली में योग ही वह साधन है, जो इंसान को भीतर से मजबूत बनाता है और उसे सकारात्मक सोच की ओर अग्रसर करता है। नोडल अधिकारी डॉ. नारायण सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए योग दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य विरासत है, जो पूरी दुनिया को स्वास्थ्य, शांति और संतुलन का मार्ग दिखा रही है।

उन्होंने आयोजन में सहभागिता निभाने वाले सभी अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसमें भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल , भारत विकास परिषद, वरिष्ठ नागरिक संस्थान, मोनि।ग क्लब, यंग स्पोर्ट्स क्लब तथा रामस्नेही संप्रदाय सहित अनेक सामाजिक संगठनों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इन संगठनों के सदस्यों ने अनुशासन, समर्पण और उत्साह के साथ योगाभ्यास कर समाज के सामने प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर नगर अध्यक्ष पंकज सुगंधी, जिलामंत्री राजेंद्र बोहरा, पूर्व नगरपालिका चेयरमैन कन्हैया लाल धाकड़, सम्मिलित रहे।

इस योग महाकुंभ में कुल 1256 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। यह आयोजन शाहपुरा के तीन निर्धारित प्रमुख स्थलों पर एक साथ आयोजित किया गया था, जहाँ नागरिकों ने अनुशासित होकर योग का अभ्यास किया। यह आयोजन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम बनकर नहीं रहा, बल्कि स्वास्थ्य जागरूकता का जनसंदेश बन गया। शाहपुरा की धरती से उठी यह योग चेतना आने वाले समय में निश्चित ही स्वस्थ, सजग और सशक्त समाज की नींव मजबूत करेगी। संदेश स्पष्ट है रोग से बचाव का सबसे सरल, सुलभ और प्रभावी मार्ग योग है। शाहपुरा ने इस संदेश को केवल सुना ही नहीं, बल्कि पूरे मन से अपनाने का संकल्प भी लिया।

बबूल-लैंटाना की झाड़ियां बनीं हादसों का कारण,दृश्यता घटने से बढ़ा दुर्घटनाओं का खतरा

▪ स्मार्ट हलचल

मंगरोप-भीलवाड़ा मार्ग सहित क्षेत्र की अन्य सड़कों के किनारे इन दिनों अंग्रेजी बबूल और लैंटाना की झाड़ियों का तेजी से फैलाव हो रहा है।सड़क के दोनों ओर उगी घनी झाड़ियों के कारण वाहन चालकों की दृश्यता प्रभावित हो रही है,जिससे दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि झाड़ियों की वजह से कई बार छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं हो चुकी हैं और आए दिन हादसों की आशंका बनी रहती है।ग्रामीणों एवं राहगीरों के अनुसार सड़कों के कई हिस्सों में अंग्रेजी बबूल और लैंटाना की झाड़ियां इतनी घनी हो चुकी हैं कि सामने से आने वाले वाहन समय पर दिखाई नहीं देते।विशेष रूप से मोड़ और कट पॉइंट पर स्थिति अधिक गंभीर है।ऐसे स्थानों पर वाहन चालकों को सड़क पार करने वाले व्यक्ति,पशु अथवा दूसरे वाहन का आभास तब होता है,जब प्रतिक्रिया देने के लिए बहुत कम समय बचता है।स्थानीय लोगों ने बताया कि बरसात के मौसम में इन झाड़ियों की बढ़ोतरी और तेज हो जाती है।सड़क किनारे फैली झाड़ियां न केवल यातायात में बाधा बन रही हैं,बल्कि वन्यजीवों एवं आवारा पशुओं को भी छिपने का सुरक्षित स्थान उपलब्ध करा रही हैं।अचानक पशुओं के सड़क पर आने से वाहन चालक संतुलन खो बैठते हैं और दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं।ग्रामीणों का कहना है कि समस्या को लेकर कई बार संबंधित विभागों को अवगत कराया गया,लेकिन अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी है।मंगरोप-भीलवाड़ा मार्ग से प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं।ऐसे में सड़क सुरक्षा के दृष्टिकोण से झाड़ियों की नियमित कटाई और सफाई अत्यंत आवश्यक हो गई है।क्षेत्रवासियों ने सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) एवं संबंधित एजेंसियों से सड़क के दोनों ओर उगी अंग्रेजी बबूल और लैंटाना की झाड़ियों को तत्काल हटाने की मांग की है।उनका कहना है कि सड़कों का चौड़ीकरण और बेहतर निर्माण तभी सार्थक होगा,जब मार्ग पूरी तरह सुरक्षित,साफ और बाधा मुक्त रहे।वर्तमान स्थिति में सड़क किनारे फैलती झाड़ियां वाहन चालकों के लिए बड़ी परेशानी और संभावित खतरे का कारण बनी हुई हैं।

री-नीट यूजी 2026 : भीलवाड़ा में पांच केंद्रों पर 2302 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा, जैमर, सीसीटीवी और त्रिस्तरीय जांच के बाद मिला प्रवेश

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। री-नीट यूजी 2026 परीक्षा रविवार को जिले में कड़े सुरक्षा इंतजामों और सख्त निगरानी के बीच आयोजित की । भीलवाड़ा जिले के पांच परीक्षा केंद्रों पर कुल 2302 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए । सुबह 11 बजे से अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया शुरू हुई, जो दोपहर 1.30 बजे तक चली। अभ्यर्थियों को बायोमेट्रिक सत्यापन, फुल फ्रिस्किंग और त्रिस्तरीय जांच के बाद ही परीक्षा केंद्रों में प्रवेश दिया गया।

परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक आयोजित हुई। इस बार अभ्यर्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने और समझने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय भी दिया गया ।

परीक्षा की गोपनीयता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था की गई । प्रश्नपत्रों के सुरक्षित परिवहन की जिम्मेदारी केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ भारतीय वायुसेना को भी सौंपी गई है। सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे और जैमर लगाए गए , जबकि जिला प्रशासन ने केंद्रों के 300 मीटर दायरे को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया । पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे थे ताकि परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और नकलमुक्त वातावरण में संपन्न हो सके।

जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने बताया कि री-नीट यूजी परीक्षा को लेकर सभी तैयारियां पहले ही पूरी कर ली गई थीं। प्रशासन, पुलिस, सिटी कोऑर्डिनेटर, केंद्र अधीक्षक और वीक्षकों के साथ समन्वय स्थापित कर सभी पांचों परीक्षा केंद्रों का पूर्व निरीक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि प्रभारी सचिव द्वारा भी सभी केंद्रों का निरीक्षण किया गया तथा एनटीए, भारत सरकार और राज्य सरकार की सभी गाइडलाइन के अनुरूप परीक्षा का संचालन कराया गया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारसमल जैन ने बताया कि जिले के सभी पांच परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया । पुलिस अधिकारी लगातार राउंड पर रहे और परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध थे। एनटीए और राज्य सरकार के सभी निर्देशों के अनुरूप सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई ।

परीक्षा देने पहुंची अभ्यर्थी प्रिया राठौड़ ने कहा कि पिछले पेपर लीक प्रकरण के बाद दोबारा परीक्षा का आयोजन विद्यार्थियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों ने इस परीक्षा के लिए कड़ी मेहनत की है और सभी चाहते हैं कि परीक्षा निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो। प्रिया ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा और व्यवस्थाएं संतोषजनक हैं तथा मॉक ड्रिल सहित सभी तैयारियां बेहतर नजर आ रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार परीक्षा पूरी पारदर्शिता के हुई और विद्यार्थियों के भविष्य के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ नहीं होगा।

आनंद विहार कॉलोनी में जलभराव से लोगों में रोष, रेलवे ADEN को लिखा पत्र

▪ स्मार्ट हलचल

हमीरगढ़ / रेलवे फाटक के पास बने अंडरब्रिज के नाले से आनंद विहार कॉलोनी में लगातार पानी भरने की समस्या से स्थानीय लोग परेशान हैं। कॉलोनीवासियों का कहना है कि नाले का पानी कई मकानों तक पहुंच रहा है, जिससे घरों में जलभराव के साथ जहरीले जीव-जंतुओं का हर समय खतरा बना हुआ है। रविवार को कॉलोनी के लोगों ने रेलवे स्टेशन पहुंचकर रेलवे के (ADEN) के नाम पत्र लिखते हुए समस्या के स्थायी समाधान की मांग की। पत्र में बताया गया कि बरसात के दौरान अंडरब्रिज क्षेत्र से निकासी का पानी सीधे कॉलोनी की ओर आ जाता है, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई मकानों में पानी घुसने से लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है तथा बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है। कॉलोनीवासियों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि नाले की उचित सफाई, जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था एवं स्थायी समाधान के लिए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस समस्या से राहत मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा।

बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉलीजब्त,चालक पुलिस को चकमा देकर फरार

▪ स्मार्ट हलचल

फूलियाकलां (भीलवाड़ा), फूलियाकलां थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध बजरी से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। पुलिस की कार्रवाई के दौरान चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश तेज कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फूलियाकलां थाना पुलिस को क्षेत्र में अवैध बजरी परिवहन की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने नंदा मोटर से माली खेड़ा गांव के बीच मार्ग पर निगरानी बढ़ाई। इसी दौरान एक ट्रैक्टर-ट्रॉली संदिग्ध अवस्था में बजरी का परिवहन करते हुए दिखाई दी। पुलिस ने वाहन को रुकवाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस को देखते ही चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली छोड़कर मौके से भाग निकला। पुलिस ने मौके पर कार्रवाई करते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली को अपने कब्जे में लेकर जब्त कर लिया। प्रारंभिक जांच में वाहन में अवैध रूप से बजरी का परिवहन किया जाना पाया गया। जब्त वाहन को थाने लाया गया है तथा उसके स्वामित्व एवं चालक की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी गई है। फूलियाकलां थाना अधिकारी राजकुमार नायक ने बताया कि अवैध खनन और बजरी परिवहन के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। फरार चालक की तलाश की जा रही है तथा संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अवैध खनन पर प्रशासन सख्त क्षेत्र में लंबे समय से अवैध बजरी खनन और परिवहन की शिकायतें मिल रही थीं। प्रशासन एवं पुलिस द्वारा समय-समय पर कार्रवाई कर ऐसे मामलों पर अंकुश लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि अवैध खनन एवं परिवहन में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

इमामे हुसैन की याद में रक्तदान शिविर, 411 यूनिट रक्त संग्रहित

उमराह यात्रा के लिए लकी ड्रॉ की घोषणा, रक्तवीरों का हुआ सम्मान

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा // हजरत सैयद इमामे हुसैन रजियल्लाहु तआला अन्हु की याद में राजस्थान मुस्लिम यूथ की ओर से रविवार को शास्त्री नगर स्थित मौलाना अबुल कलाम आजाद कम्युनिटी हॉल में विशाल रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में शहर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। रक्तदान शिविर में कुल 411 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।

राजस्थान मुस्लिम यूथ के संस्थापक अब्दुल गफ्फार मुल्तानी ने बताया कि रक्तदान करने वाले सभी रक्तवीरों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष योजना बनाई गई है। शिविर में रक्तदान करने वाले प्रतिभागियों में से एक भाग्यशाली व्यक्ति को 15 दिन की निःशुल्क उमराह यात्रा का अवसर दिया जाएगा। इसके लिए ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर मंसूर अली बाबा दरगाह चौक पर सार्वजनिक रूप से लकी ड्रॉ निकाला जाएगा।

कैंप प्रभारी इकबाल मंसूरी ने बताया कि शिविर में महात्मा गांधी ब्लड बैंक द्वारा 211 यूनिट, महाराणा भोपाल हॉस्पिटल की टीम द्वारा 99 यूनिट तथा कोटड़ी श्याम ब्लड बैंक द्वारा 101 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। वहीं निःशुल्क हेल्थ चेकअप कैंप में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बीपी, शुगर सहित विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी जांचें कर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी।शिविर में मुबारिक मंसूरी उपरेड़ा ने 38वीं बार तथा वीरेंद्र सोनी ने 29वीं बार रक्तदान कर मानव सेवा की मिसाल पेश की। आयोजन समिति की ओर से दोनों रक्तदाताओं का सम्मान भी किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मन्नान शेख, वसीम अंसारी, हयात चौहान, मोहम्मद तौफीक शाह, राशिद खान, अब्दुल सलाम अंसारी और इमरान देशवाली सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों का विशेष सहयोग रहा। आयोजन समिति ने सभी रक्तदाताओं, चिकित्सकों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

फिल्मी स्टाइल में डकैती: पीछा कर कार रुकवाई, मारपीट कर सोने की चैन लूटी; भीलवाड़ा के 6 शातिर गिरफ्तार

▪ स्मार्ट हलचल

बिजयनगर/भीलवाड़ा। राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर फिल्मी अंदाज में कार का पीछा कर मारपीट और लूट की वारदात को अंजाम देने वाले भीलवाड़ा के शातिर बदमाशों के गिरोह का बिजयनगर पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भीलवाड़ा के छह आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त स्कॉर्पियो और क्रेटा कार भी जब्त कर ली है।

पुलिस के अनुसार, डिडवाना-कुचामन जिले के परबतसर थाना क्षेत्र के रोहिंदी निवासी बाघाराम गुर्जर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपने भाई मोतीराम और सचिन के साथ 19 जून की रात बेंगलुरु से अपने गांव लौट रहा था। रात करीब 10 बजे रायला टोल के आगे एक काले रंग की स्कॉर्पियो ने बार-बार डिपर देकर और हाथ से इशारा कर उनकी कार रुकवाने का प्रयास किया। संदेह होने पर उन्होंने वाहन नहीं रोका और आगे बढ़ते रहे।

रिपोर्ट के मुताबिक, स्कॉर्पियो सवारों ने लगातार कई किलोमीटर तक उनका पीछा किया। बिजयनगर पुलिया से पहले एक स्कॉर्पियो और दूसरी क्रेटा कार ने उनकी गाड़ी को टक्कर मारकर जबरन रुकवा लिया। इसके बाद दोनों वाहनों से 6 से 8 युवक उतरे और बाघाराम व उसके साथियों के साथ मारपीट कर गले में पहनी सोने की चैन लूटकर फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही बिजयनगर पुलिस सक्रिय हुई और आरोपियों के वाहनों के नंबरों के आधार पर पीछा शुरू किया। पुलिस ने किशनगढ़ टोल के पास नाकाबंदी कर दोनों गाड़ियों को पकड़ लिया और सभी आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपी

पुलिस ने इस मामले में भीलवाड़ा जिले के छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है—

मयंक जटिया निवासी गोपालपुरा, शास्त्रीनगर,विनित राठी निवासी हरीजन बस्तीऋषभ जोशी निवासी मंगला चौक, उत्तम नाराणिया निवासी न्यू हाउसिंग बोर्ड,राजवीर विसनानी निवासी वैभव नगर, आशीष लोट बापूनगर कॉलोनी.

अन्य वारदातों के खुलासे की उम्मीद

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह एक संगठित गिरोह प्रतीत हो रहा है। पूछताछ में हाईवे पर हुई अन्य वारदातों और लूट की घटनाओं के भी खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

लाडपुरा में योग दिवस योगाभ्यास किया

▪ स्मार्ट हलचल

लाडपुरा / अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पंचायत के विभिन्न स्थलों आयुर्वेदिक चिकित्सालय, माध्यमिक विद्यालय तथा सिंचाई विभाग में योगाभ्यास करवाया गया , तथा साथ ही योग को प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा ली जिससे जिवन को अनुशासित व संयम व रोगमुक्त जीवन का संकल्प लिया कार्यक्रम में संदीप सुथार ने आयुर्वेदिक चिकित्सालय तथा माध्यमिक विधालय में प्राणायाम व योग का अभ्यास करवाया जहां सभी ग्रामवासियों व विधालय स्टाफ व आयुर्वेद हॉस्पिटल तथा स्वास्थ्य केंद्र लाडपुरा के चिकित्साकर्मी व स्टाफ व ग्रामवासी उपस्थित रहें।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। सह. सम्पादक मो. 9649222850 [illegible]

रावणा राजपूत सामूहिक विवाह सम्मेलन की आय-व्यय बैठक संपन्न, बचत राशि धर्मशाला विकास में होगी खर्च

▪ स्मार्ट हलचल

लाडपुरा । रावणा राजपूत समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजन समिति जोगणिया माता की आवश्यक बैठक रविवार को समाज धर्मशाला जोगणिया माता में आयोजित की गई। बैठक आयोजन समिति के अध्यक्ष शंभूसिंह सोलंकी डाबी की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में 20 अप्रैल को आखातीज के अवसर पर आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सम्मेलन में कुल 27 लाख 8 हजार 733 रुपए की आय हुई, जबकि 24 लाख 59 हजार 38 रुपए का व्यय किया गया। सम्मेलन के बाद 2 लाख 49 हजार 695 रुपए की बचत राशि शेष रही।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बचत राशि का उपयोग रावणा राजपूत धर्मशाला, जोगणिया माता के विकास एवं आवश्यक कार्यों में किया जाएगा।

इस अवसर पर सामूहिक विवाह सम्मेलन को सफल बनाने में योगदान देने वाले आयोजन समिति एवं व्यवस्था समिति के कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। साथ ही श्री जोगणिया माता शक्तिपीठ प्रबंधन एवं विकास संस्थान के अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी, सूरजमल गुर्जर एवं कोमल गुर्जर का भी स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

समिति अध्यक्ष शंभूसिंह सोलंकी ने सम्मेलन में सहयोग देने वाले सभी समाजबंधुओं, दानदाताओं एवं विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का भी विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया, जिन्होंने सामूहिक विवाह सम्मेलन में उपस्थित होकर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया।

बैठक में कालूसिंह मेहताखेड़ा, शंभूसिंह गहलोत, हिम्मतसिंह भाटी, महेंद्रसिंह सोलंकी, बालूसिंह देवड़ा, रामसिंह सांखला, गोपालसिंह कोठाज, नारायणसिंह कच्छावा, हाबूसिंह हाड़ा, संजयसिंह चौहान, नरेंद्रसिंह गुड्डा, हरिकिशनसिंह कानावत, रतनसिंह चौहान, जगदीशसिंह सिसोदिया, कालूसिंह सोलंकी, सत्यनारायणसिंह चौहान, रतनसिंह मंडावरी, लाभूसिंह चौहान, मदनसिंह गहलोत, भंवरसिंह धोवड़ा सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे।

महेश जयंती समारोह को लेकर माहेश्वरी समाज ने किया 105 यूनिट रक्तदान

▪ स्मार्ट हलचल

मांडलगढ़। तहसील माहेश्वरी सभा मांडलगढ़ द्वारा महेश जयंती के उपलक्ष्य में व स्व.श्रीमती लक्ष्मी देवी सोमानी की मुख्य स्मृति में रविवार को नगर स्थित आम्बा की बावड़ी पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक गोपाल खडेलवाल, अर्जुन ब्रमभट्ट सहित गणमान्य समाजजनों की मौजूदगी में भगवान महेश की तस्वीर पर दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर मांडलगढ़ के पूर्व पालिका उपाध्यक्ष विनोद ओस्तवाल ,तहसील अध्यक्ष ओमप्रकाश मुंदड़ा, मंत्री ओमप्रकाश लढ़ा, नगर अध्यक्ष रमेश सोमानी, मंत्री भगवान काबरा, मुंदड़ा,पूर्व अध्यक्ष गोवर्धनलाल झंवर, मानसिंह मुंदड़ा, मुरली गट्टयाणी,छोटू लाल सोनी,गुलाब सोनी,महिला अध्यक्ष अल्का लढ़ा, नगर महिला अध्यक्ष गायत्री काबरा, मंत्री सोनू असावा, प्रियंका सोनी, जिला संगठन मंत्री इंद्रा झंवर, सत्यनारायण भंडारी, विनोद सोनी,विशाल सोनी,ओमप्रकाश लढ़ा सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे। रक्तदान शिविर में 105 यूनिट रक्तदान हुआ जिसमें युवा,युवतियां व युवक-युवकों ने उत्साह से भाग लिया। मंत्री भगवान काबरा ने बताया कि 23 जून को महेश जयंती अवसर पर नगर की पुरानी आबादी स्थित मोड़ का बालाजी से भव्य शोभायात्रा का आयोजन धूमधाम से किया व शोभायात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए काछोला ग्राम में होने वाले मुख्य समारोह में शामिल होंगी।

श्री जोगणियां माता शक्तिपीठ वेद विद्यालय में योग दिवस पर 108 बटुकों ने किया सामूहिक योगाभ्यास

▪ स्मार्ट हलचल

लाडपुरा / अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर श्री जोगणियां माता शक्तिपीठ वेद विद्यालय में विशेष योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के 108 बटुकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सामूहिक योगाभ्यास किया।

संस्थान के अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी ने बताया कि योग सत्र का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं मां जोगणियां के पूजन के साथ हुआ। इसके पश्चात प्रशिक्षकों के निर्देशन में विद्यार्थियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। योगाभ्यास के माध्यम से बटुकों को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य के महत्व की जानकारी दी गई।

विद्यालय के आचार्यों ने बताया कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ, मन शांत तथा जीवन अनुशासित बनता है। विद्यार्थियों को प्रतिदिन योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया।

योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि वेद विद्यालय में अध्ययनरत बटुकों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ संस्कार, योग एवं आध्यात्मिक गतिविधियों को भी विशेष महत्व दिया जा रहा है। नियमित योगाभ्यास से विद्यार्थियों में एकाग्रता, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है। उन्होंने सभी से योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर मंडल भाजपा अध्यक्ष मदन गोपाल धाकड़, जिला परिषद सदस्य प्रभूलाल धाकड़, मुकेश जी आमेटा, बालूलाल गुर्जर, विद्यालय परिवार के आचार्य, धर्मराज पारीक, हरिओम शर्मा, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र एवं विश्व कल्याण की प्रार्थना के साथ किया गया।

बिजोलिया में ब्लॉक स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह आयोजित

▪ स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ / 21 जून योग दिवस पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिजोलिया में आज 12वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस ब्लॉक स्तर पर उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस वर्ष की थीम 'Yoga for Healthy Ageing'के तहत आयोजित समारोह में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और ग्रामीणों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में मंडल अध्यक्ष राजेंद्र बंजारा, भारत विकास परिषद के अध्यक्ष वेद प्रकाश तिवारी, मनोज गोधा , पंकज विजयवर्गीय, पूर्व पंचायत समिति सदस्य अभिषेक सर्वा और पूर्व पंचायत समिति सदस्य हितेंद्र राजोरा उपस्थित रहे। आयुर्विज्ञान एवं चिकित्सा जगत से डॉक्टर संजय नागर,डॉक्टर दुर्गा शंकर मेहर, डॉक्टर रिजवानाऔर डॉक्टर आशुतोष ने विशेष रूप से शिरकत की। इस अवसर पर उपस्थित सभी संभागियों को राजकुमारी चौधरी द्वारा योग का विधिवत प्रशिक्षण दिया गया, जिसका डॉक्टर संजय नागर, डॉक्टर दुर्गा शंकर मेहर, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कन्हैयालाल शर्मा और मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मालीराम यादव ने भी नेतृत्व किया।

प्रधानाचार्य दिलीप सिंह की मौजूदगी में सभी शिक्षकों और गणमान्य नागरिकों ने ताड़ासन, वज्रासन, कपालभाति, अनुलोम-विलोम प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया।

माह से मौत को दावत देता गड्ढा, आखिर कब जागेगा जलदाय विभाग?

लीकेज ठीक की, सड़क को क्यों भूल गए जिम्मेदार? रोज गिर रहे दुपहिया चालक, कौन लेगा हादसों की जिम्मेदारी?

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा(महेन्द्र नागौरी) शहर के व्यस्ततम नेहरू रोड स्थित श्री गेस्ट हाउस चौराहा पर जलदाय विभाग की लापरवाही आमजन के लिए खतरा बन चुकी है। करीब डेढ़ माह पूर्व विभाग ने यहां पानी की पाइपलाइन में लीकेज सुधारने के लिए सड़क खोदी थी, लेकिन मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद सड़क को पूर्व स्थिति में बहाल करना शायद विभाग भूल गया। सवाल यह है कि आखिर कब तक आम नागरिकों की जान के साथ ऐसा खिलवाड़ होता रहेगा? चौराहे के बीचों-बीच बना यह गहरा कटाव और उखड़ी सड़क रोजाना हादसों को न्योता दे रही है। दुपहिया वाहन चालक अचानक संतुलन खोकर गिर रहे हैं, कई लोग चोटिल हो चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार बाइक सवार इस गड्ढे में फंसकर सड़क पर गिर जाते हैं और आसपास के खोमचे व ठेले लगाने वाले लोग उन्हें उठाकर संभालते हैं। यदि कोई बड़ा हादसा हो जाए तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या सिर्फ लीकेज निकालना ही विभाग का काम है? शहरवासियों का आरोप है कि जलदाय विभाग पाइपलाइन लीकेज तो ठीक कर देता है, लेकिन उसके बाद सड़क की मरम्मत करना अपनी जिम्मेदारी नहीं समझता। आखिर जनता को टूटी सड़कों और गड्ढों की सजा क्यों भुगतनी पड़ रही है? क्या विभाग को तब जाग आएगी जब कोई गंभीर दुर्घटना हो जाएगी? पूरा शहर गड्ढों का जाल, जिम्मेदार मौन यह समस्या केवल श्री गेस्ट हाउस चौराहे तक सीमित नहीं है। शहर के अनेक क्षेत्रों में जलदाय विभाग द्वारा खोदी गई सड़कें महीनों बाद भी बदहाल पड़ी हैं। दूसरी ओर सीवरेज कार्यों के बाद भी सड़कों की मरम्मत अधूरी है। नतीजा यह है कि भीलवाड़ा की सड़कों पर चलना किसी जोखिम से कम नहीं रह गया है। लोगों का कहना है कि गड्ढों, उखड़ी सड़कों, टूटे नालों और क्षतिग्रस्त नालियों ने शहर की तस्वीर बिगाड़ दी है। आखिर विकास के दावों के बीच शहर की सड़कें इतनी बदहाल क्यों हैं? कलेक्टर के निर्देश भी बेअसर? हाल ही में जिला कलेक्टर ने नगर निगम, नगर विकास न्यास, जलदाय विभाग सहित संबंधित विभागों की बैठक लेकर शहर में गड्ढों और क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत के निर्देश दिए थे। लेकिन जमीनी हकीकत देखकर सवाल उठता है कि क्या अधिकारियों ने इन निर्देशों को गंभीरता से लिया भी है? यदि लिया होता तो डेढ़ माह से यह गड्ढा आज भी लोगों की जान के लिए खतरा क्यों बना हुआ है? जनता की नजर में सबसे बड़ा दोषी कौन? शहरी नागरिकों का मानना है कि सड़कों की दुर्दशा के मामले में जलदाय विभाग सबसे आगे है। जहां-जहां लीकेज सुधार के नाम पर सड़कें खोदी गईं, वहां अधिकांश स्थानों पर मरम्मत अधूरी छोड़ दी गई। क्या यही कारण नहीं कि भीलवाड़ा की सड़कें जगह-जगह कबाड़ जैसी हालत में पहुंच गई हैं? बड़े हादसे का इंतजार क्यों? मानसून सिर पर है। बारिश शुरू होते ही यह गड्ढा पानी से भर जाएगा और खतरा कई गुना बढ़ जाएगा। ऐसे में सवाल यही है कि क्या जिम्मेदार विभाग किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहे हैं? या फिर समय रहते इस जानलेवा गड्ढे को भरकर आमजन को राहत दी जाएगी? शहरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि श्री गेस्ट हाउस चौराहे सहित पूरे शहर में जलदाय विभाग और सीवरेज कार्यों के बाद छोड़े गए गड्ढों को तत्काल भरवाया जाए तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। आखिर आमजन की सुरक्षा से बड़ा कोई मुद्दा हो सकता है क्या?

दखल..... शिक्षा संकट की राजनीति या राजनीति का शिक्षा संकट? छह दशक बाद शिक्षा व्यवस्था पर कांग्रेस का आत्मस्वीकार?

▪ स्मार्ट हलचल / डॉ.कमलेश शर्मा

▪ राहुल पारीक

भारतीय शिक्षा व्यवस्था पर राहुल गांधी के तीखे प्रहार ने एक नई बहस को जन्म दिया है। लेकिन इससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि जिस व्यवस्था की नींव नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक की कांग्रेस सरकारों ने रखी, उसकी कमियां राहुल गांधी को 2026 में ही क्यों दिखाई दीं?भारतीय शिक्षा व्यवस्था की चुनौतियां वास्तविक हैं, लेकिन उससे भी बड़ा प्रश्न राजनीतिक ईमानदारी का है। जिस व्यवस्था को कांग्रेस ने दशकों तक राष्ट्र निर्माण का आधार बताया, आज उसी को राहुल गांधी 'रिजेक्शन सिस्टम' कह रहे हैं। आखिर यह परिवर्तन व्यवस्था में आया है या दृष्टिकोण में?

कोटा में आयोजित छात्र संवाद कार्यक्रम में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था को 'रिजेक्शन सिस्टम' और 'एक्सटॉर्शन मशीन' की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि भारतीय एजुकेशन सिस्टम बच्चों को कुचल रहा है, केवल पैसा वसूल रहा है और युवाओं के सपनों को तोड़ रहा है। यह बयान राजनीतिक दृष्टि से भले आकर्षक प्रतीत हो, किंतु इसके साथ कई गंभीर प्रश्न भी खड़े होते हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि भारतीय शिक्षा व्यवस्था इतनी ही दोषपूर्ण, शोषणकारी और विफल थी, तो राहुल गांधी और उनकी पार्टी को इसका अहसास होने में छह दशक से अधिक का समय क्यों लगा? राहुल गांधी जिस शिक्षा व्यवस्था को आज कटघरे में खड़ा कर रहे हैं, उसका बड़ा हिस्सा उन्हीं सरकारों के कालखंड में विकसित हुआ, जिनका नेतृत्व कांग्रेस ने किया। स्वतंत्र भारत के इतिहास में कांग्रेस ने लगभग 55 वर्षों तक केंद्र की सत्ता संभाली। यदि आज की शिक्षा व्यवस्था केवल 'रिजेक्शन सिस्टम' है, तो क्या यह स्वीकारोक्ति नहीं है कि कांग्रेस स्वयं अपने द्वारा निर्मित व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगा रही है?

नेहरू से मनमोहन तक:

कांग्रेस का शिक्षा मॉडल स्वतंत्रता के बाद देश की शिक्षा व्यवस्था का पुनर्निर्माण पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT), अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) और वैज्ञानिक शिक्षा की मजबूत आधारशिला इसी काल में रखी गई। उस समय कांग्रेस ने इसे आधुनिक भारत के निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया था। 1968 में इंदिरा गांधी सरकार ने देश की पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की। 1986 में राजीव गांधी सरकार ने दूसरी राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रस्तुत की, जिसमें शिक्षा के विस्तार, तकनीकी आधुनिकीकरण और ग्रामीण प्रतिभाओं को अवसर देने के लिए नवोदय विद्यालय जैसी योजनाओं को शामिल किया गया। 1992 में पी.वी. नरसिम्हा राव सरकार ने उसी नीति में व्यापक संशोधन किए। 2009 में डॉ. मनमोहन सिंह सरकार ने शिक्षा का अधिकार कानून लागू कर शिक्षा को मौलिक अधिकार का दर्जा दिया। आज यदि राहुल गांधी कह रहे हैं कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था बच्चों को कुचल रही है, तो स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है कि क्या वे नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह की शिक्षा नीतियों को भी विफल मानते हैं?

तब सब ठीक था, आज सब गलत कैसे हो गया?

राहुल गांधी लगभग दो दशकों से सक्रिय राजनीति में हैं। वे सांसद है, कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रहे, पार्टी अध्यक्ष रहे और देश के प्रमुख विपक्षी चेहरे के रूप में स्थापित हुए। इस दौरान देश में अनेक भर्ती परीक्षाएं हुईं, पेपर लीक की घटनाएं सामने आईं, बेरोजगारी पर बहस हुई, शिक्षा सुधारों की मांग उठी, लेकिन तब राहुल गांधी ने शायद ही कभी शिक्षा व्यवस्था को 'एक्सटॉर्शन मशीन' कहा हो। जब उत्तरदायित्व निर्धारण की बात आती

है, तो सबसे प्रत्यक्ष और प्रामाणिक उदाहरण राजस्थान का सामने आता है, जहां स्वयं कांग्रेस की सरकार रही। अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के पांच वर्षीय कार्यकाल (2018–2023) में राज्य में कुल उन्नीस परीक्षाओं के पर्चे लीक होने की घटनाएं दर्ज हुईं। फिर ऐसा क्या हुआ कि वर्ष 2026 में अचानक उन्हें पूरी व्यवस्था ही दोषपूर्ण दिखाई देने लगी? क्या यह वास्तविक चिंता है या राजनीतिक अवसर? यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कोटा में दिया गया उनका भाषण समस्याओं के वर्णन से भरा हुआ था, लेकिन समाधान का स्पष्ट खाका उसमें कहीं दिखाई नहीं दिया।इसके विपरीत, केंद्र की मोदी सरकार ने एक कठोर एंटी-पेपर लीक कानून अधिनियमित कर इस अनियंत्रित अव्यवस्था पर विधिक नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास किया।केंद्र सरकार ने NEET पेपर लीक के मामले में मुद्दे को छिपाने या बचाव की मुद्रा में जाने के बजाय तुरंत कार्रवाई की — परीक्षा रद्द की और दोषियों को पकड़ने के लिए सख्त कदम उठाए।

उपलब्धियों को क्यों भुला दिया गया?

भारतीय शिक्षा व्यवस्था में अनेक कमियां हैं। पेपर लीक, परीक्षा अनियमितता, कौशल और रोजगार के बीच का अंतर, मानसिक दबाव और प्रतियोगी परीक्षाओं का तनाव वास्तविक समस्याएं हैं। लेकिन क्या यही पूरी तस्वीर है? इसी शिक्षा व्यवस्था ने भारत को विश्वस्तरीय वैज्ञानिक दिए। इसी व्यवस्था ने डॉक्टर, इंजीनियर, न्यायाधीश, प्रशासक, प्रोफेसर, उद्यमी और शोधकर्ता तैयार किए। आज दुनिया की अग्रणी तकनीकी कंपनियों का नेतृत्व भारतीय मूल के पेशेवर कर रहे हैं। भारतीय डॉक्टर विश्वभर में प्रतिष्ठा प्राप्त कर रहे हैं। अंतरिक्ष अनुसंधान से लेकर डिजिटल अर्थव्यवस्था तक भारत की उपलब्धियां इसी शिक्षा व्यवस्था से निकली प्रतिभाओं के बल पर संभव हुई हैं। यदि व्यवस्था केवल 'रिजेक्शन सिस्टम' होती, तो क्या भारत आज विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दहलीज पर खड़ा होता? क्या भारतीय युवा वैश्विक मंचों पर अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे होते? व्यवस्था की कमियों पर चर्चा आवश्यक है, लेकिन उसकी उपलब्धियों को पूरी तरह नकार देना वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण नहीं कहा जा सकता।

केवल शिक्षा व्यवस्था जिम्मेदार है?

राहुल गांधी ने कहा कि एक हजार विद्यार्थियों में से 12 विद्यार्थियों को सरकारी नौकरी मिलती है। लेकिन क्या इसका कारण केवल शिक्षा व्यवस्था है? भारत में सरकारी पदों की संख्या सीमित है, जबकि प्रतियोगियों की संख्या करोड़ों में है। इसके अतिरिक्त जनसंख्या वृद्धि, आर्थिक ढांचा, रोजगार सृजन, निजी क्षेत्र की भूमिका, तकनीकी परिवर्तन और आरक्षण व्यवस्था जैसे अनेक कारक भी चयन प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। शिक्षा-व्यवस्था की समालोचना करते समय एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू सदैव अनछुआ रह जाता है — आरक्षण-व्यवस्था की भूमिका। प्रत्येक वर्ष लाखों विद्यार्थी नीट जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सम्मिलित होते हैं, परंतु सीमित सीटों में से कितनी सीटें वास्तविक मेरिट के आधार पर भरी जाती हैं, इस संवेदनशील प्रश्न पर खुला और निर्भीक विमर्श कदाचित ही होता है। यदि लाखों उम्मीदवारों में कुछ हजार का चयन होता है, तो यह केवल शिक्षा व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक और आर्थिक संरचना का विषय है। आश्चर्यजनक रूप से राहुल गांधी ने इन जटिल प्रश्नों पर कोई गंभीर विमर्श प्रस्तुत नहीं किया। केवल 'सिस्टम बर्बाद है' कहकर पल्ला झाड़ लेना, समस्या की संपूर्ण और संतुलित तस्वीर प्रस्तुत नहीं करता।

छात्र हित या राजनीतिक समय-चयन?

इस पूरे कार्यक्रम का एक और महत्वपूर्ण पहलू उसका समय था। नीट परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण अवसर से कुछ ही दिन पूर्व कोटा में इस प्रकार का राजनीतिक संवाद आयोजित करना अनेक अभिभावकों और विद्यार्थियों के लिए चिंता का विषय बना। प्रश्न यह है कि यदि उद्देश्य वास्तव में छात्र हित था, तो यह संवाद परीक्षा के बाद क्यों नहीं आयोजित किया गया? क्या परीक्षा से ठीक पहले विद्यार्थियों के मन में व्यवस्था के प्रति अविश्वास, आशंका और तनाव बढ़ाने वाली बातें करना उचित था?कोटा को ही केंद्र क्यों बनाया गया, जबकि कोटा का नाम प्रत्यक्षतः पर्चा-लीक प्रकरण से नहीं जुड़ा?क्या यह जनसंपर्क कार्यक्रम 21 जून की परीक्षा संपन्न होने के पश्चात आयोजित नहीं किया जा सकता था? कोटा में पढ़ने वाले लाखों विद्यार्थी वर्षों की मेहनत के बाद परीक्षा कक्ष तक पहुंचते हैं। ऐसे समय में उन्हें प्रेरणा, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा की आवश्यकता होती है। लेकिन राहुल गांधी का पूरा संवाद अधिकतर निराशा, असंतोष और अविश्वास के इर्द-गिर्द घूमता दिखाई दिया।

युवाओंकोप्रश्ननहीं,समाधानचाहिए

युवाओं को यह बताना आसान है कि व्यवस्था गलत है। कठिन कार्य यह बताना है कि सही व्यवस्था कैसी होगी। यदि वर्तमान शिक्षा मॉडल विफल है, तो उसका विकल्प क्या है? यदि परीक्षा प्रणाली दोषपूर्ण है, तो नई प्रणाली क्या होगी? यदि कोचिंग संस्कृति समस्या है, तो उसका समाधान क्या है? यदि शिक्षा रोजगार नहीं दे रही, तो रोजगार सृजन का मॉडल क्या होगा? कोटा के मंच से राहुल गांधी ने अनेक प्रश्न उठाए, लेकिन उन प्रश्नों के उत्तर देने वाला कोई ठोस रोडमैप प्रस्तुत नहीं किया।

प्रश्न राहुल गांधी से भी...

भारतीय शिक्षा व्यवस्था आलोचना से परे नहीं है। सुधार की आवश्यकता आज भी है और भविष्य में भी रहेगी। लेकिन किसी व्यवस्था का मूल्यांकन केवल उसकी कमियों के आधार पर नहीं किया जाता। उसकी उपलब्धियों, योगदान और ऐतिहासिक विकास को भी समान महत्व देना होता है। राहुल गांधी को शिक्षा व्यवस्था पर प्रश्न उठाने का पूरा अधिकार है। लोकतंत्र में यह उनका दायित्व भी है। किंतु उतना ही आवश्यक यह भी है कि वे यह स्पष्ट करें कि जिन सरकारों ने दशकों तक इस व्यवस्था को आकार दिया, उनकी भूमिका पर उनका क्या दृष्टिकोण है। आज देश के युवाओं के मन में सबसे बड़ा प्रश्न यही है—यदि शिक्षा व्यवस्था इतनी ही खराब थी, तो राहुल गांधी की नींद इतनी देर से क्यों खुली? और यदि अब खुली है, तो क्या वे केवल असंतोष का विमर्श देंगे या सुधार का कोई ठोस, व्यावहारिक और विश्वसनीय रोडमैप भी प्रस्तुत करेंगे? युवाओं को भय नहीं, भविष्य चाहिए। उन्हें निराशा नहीं, दिशा चाहिए। और राजनीति का वास्तविक दायित्व भी यही है।

विधायक मीणा ने बड़िया के बालाजी में विश्रांति गृह का किया शिलान्यास

▪ स्मार्ट हलचल

कोटड़ी। कस्बे के सवाईपुर रोड स्थित बाडिया का बालाजी मंदिर परिसर में विधायक कोष से 10 लाख रुपये की लागत से बनने वाले विश्रांति गृह का जहाजपुर- कोटड़ी विधायक गोपीचंद मीणा ने विधिवत भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक मीणा ने कहा कि धार्मिक स्थलों पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विश्रांति गृह का निर्माण कराया जा रहा है। इसके निर्माण से मंदिर परिसर में आने वाले भक्तों एवं आगंतुकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। कार्यक्रम के दौरान मंदिर समिति एवं ग्रामीणों ने अतिथियों

का स्वागत कर क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। विश्रांति गृह के निर्माण से श्रद्धालुओं को बैठने एवं ठहरने की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। शिलान्यास कार्यक्रम में निवर्तमान प्रधान करण सिंह कानावत, उप जिला प्रमुख शंकरलाल गुर्जर, भाजपा जिला महामंत्री कन्हैयालाल जाट, मंडल अध्यक्ष प्रहलाद सेन, कैलाशचंद्र सुथार, धर्मचंद जीनगर, श्रवण सोनी, बद्रीलाल आचार्य, कल्याण आचार्य, दिनेश लढा, राजेश आचार्य, उमेश वैष्णव, बजरंग आचार्य, हीरालाल आचार्य, चांदमल आचार्य, कैलाश आचार्य, देवीलाल आचार्य, महावीर आचार्य, सुखपाल आचार्य, मुकेश आचार्य, रतनलाल आचार्य सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुई री-नीट परीक्षा,नकल रोकने के रहे सख्त इंतजाम

▪ स्मार्ट हलचल

बानसूर। क्षेत्र में रविवार को री-नीट मेडिकल प्रवेश परीक्षा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित हुई। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक तीन परीक्षा केंद्रों पर संपन्न हुई, जिसमें कुल 840 अभ्यर्थी शामिल हुए। अभ्यर्थियों का प्रवेश सुबह 11 बजे से शुरू कर दिया गया था। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। पुलिस जाब्ते के साथ पैरामिलिट्री फोर्स तैनात की गई तथा नकल रोकने के लिए विशेष निगरानी रखी गई। मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच सहित सभी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर पूर्ण प्रतिबंध रहा। अभ्यर्थियों को केवल पारदर्शी पानी की बोतल, एडमिट कार्ड, आधार कार्ड और पासपोर्ट साइज फोटो ले जाने की अनुमति दी गई। प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की सघन जांच एवं पहचान सत्यापन किया गया, जिसके बाद उन्हें परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया गया।